मरू-प्रसार रोक दिवस - 2020

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में दिनांक 17/06/2020 को मरू-प्रसार रोक दिवस मनाया गया | इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री माना राम बालोच, भा.व.से. की अध्यक्षता में मुख्य परिसर की आवासीय कॉलोनी के खेल के मैदान के किनारे पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया | कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, संस्थान के डॉ. उत्तर कुमार तोमर, वैज्ञानिक-एफ ने करंज तथा कचनार के पौधे लगाए | इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष उपस्थित रहे | इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री माना राम बालोच, भा.व.से. ने बताया की मरुस्थलीकरण बढ़ रहा है, इसको रोकने के लिए हमे ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए तथा पौधे लगाना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी उनकी देखभाल कर बड़े करना और जिंदा रखना है | इस अवसर पर कोविड-19 के कारण सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए whatsapp के माध्यम से आफरी में कार्यरत सभी स्टाफ के लिए "मरू-प्रसार रोक के उपाय" विषय पर आलेख/कविता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया| प्रतियोगिताओं का आयोजन श्री शैलेंद्र सिंह राठौड़, वरिष्ठ तकनीशियन, विस्तार प्रभाग ने किया | कार्यक्रम का संचालन श्री रमेश कुमार मालपानी, भा.व.से., प्रभागाध्यक्ष विस्तार प्रभाग ने किया |

आफरी में विश्व मरु प्रसार रोक दिवस पर किया पौधरोपण

स्टाफ के लिए आलेख एवं कविता लेखन प्रतियोगिताएं भी हुईं

आफरी परिसर में पौधे लगाकर विश्व मरु प्रसार रोक दिवस मनाया गया।

सिटी रिपोर्टर | जोधपुर

आफरी में बुधवार को विश्व मरु प्रसार रोक दिवस मनाया गया। इस मौके पर पौधरोपण किया गया। आफरी निदेशक एमआर बलोच और मुख्य अतिथि डॉ. यूके तोमर ने करंज एवं कचनार के पौधे लगाकर तथा उनकी सार संभाल का संकल्प लिया।

आफरी निदेशक ने बताया कि मरु क्षेत्र में पौधरोपण करने और उनकी सार संभाल करने का दायित्व न केवल सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं का बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है। इससे न केवल मरु क्षेत्र को बढ़ने से रोकने में सफलता मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में हरियाली भी लाई जा सकेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. यूके तोमर ने बताया कि वन नीति के तहत देश के 33 प्रतिशत हिस्सों में वन क्षेत्र होना चाहिए, जबकि मरु क्षेत्र में यह बहुत कम है। उन्होंने कहा कि अधिकाधिक पौधे लगाकर मरु क्षेत्र की हरियाली लाई जा सकती है। इस अवसर पर आफरी में कार्यरत समस्त स्टाफ के लिए आलेख एवं कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोविड-19 के नियमों के तहत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया।